खंड 19 सं 1, जनवरी - जून, 2019

# भाकृअनुप - डीपीआर समाचार पत्र

**सरदार पटेल पुरस्कार से पुरस्कृत उत्कृष्ट भाकृअनुप संस्थान**

ISO 9001 : 2015 प्रमाणित संस्थान

## निदेशक स्तंभ...

भाकृअनुप - डीपीआर समाचार पत्र के जनवरी- जून 2019 के इस अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस अवधि के दौरान संस्थान के अनुसंधान कार्यों की प्रगति के साथ-साथ प्रौद्योगिकियों का स्थानांतरण, विस्तार और कौशल विकास के क्षेत्रों में भी कार्य हुआ है। ब्रायलर एवं *वनराजा* चूज़ों में गर्मी के तनाव का मुकाबला करने की दिशा में जस्ता का नैनो रूप आहार के अकार्बनिक जस्ता की अपेक्षा लाभदायक पाया गया। शुद्ध वंशावलियों के प्रदर्शन में निरंतर सुधार किया जा रहा है। महत्वपूर्ण स्वदेशी कुक्कुट नस्लों का संरक्षण एवं इनके लक्षण वर्णन किया जा रहा है। वनश्री (पीडी-4), असील से विकसित एक स्वदेशी कुक्कुट नस्ल है जिसे किसानों में आपूर्ति की जा रही है। रोग-प्रतिरोध अध्ययन के अंतर्गत पेस्टुरेला मल्टीओसिडा संक्रमण से यह पता चला है कि देशज नस्ल कोलेरा संक्रमण के प्रति अधिक सहिष्णु होते हैं।

अनुसंधान गतिविधियों के अतिरिक्त संस्थान ने ग्रामीण किसानों के लिए कुक्कुट पालन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इस अवधि के दौरान अनुसूचित जाति उप योजना (SCSP) आरंभ की गयी, जिसमें उत्तम कुक्कुट जर्मप्लाज्म वितरित किया गया। अनुसूचित जाति के 100 किसानों और अनुसूचित जनजाति के 30 किसानों को खुले घर आंगन में विकसित कुक्कुट किस्मों के पालन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। आदिलाबाद जिला, तेलंगाना में विभिन्न आदिवासीय गांवों में आदिवासी उप योजना (टीएसपी) के तहत वनरजा एवं *ग्रामप्रिया* के चूजों के पालन पर प्रशिक्षण देकर उनका किसानों में वितरण किया गया। टीएसपी योजना के लाभार्थियों को अस्थाई कुक्कुटों के रात्रि कालीन सुरक्षित रैन-बसेरे भी वितरित किए गए। इस समयावधि के दौरान संस्थान एवं विभिन्न एआईसीआरपी केंद्रों तथा कुक्कुट बीज परियोजना के केंद्रों द्वारा विकसित कुक्कुट किस्मों एवं देशज किस्मों के कुल 8,63,244 कुक्कुट वितरित किए गए। निदेशालय के वैज्ञानिकों ने इस अवधि के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों एवं संगोष्ठियों में भाग लिया है एवं प्रपत्र प्रस्तुतीकरण में पुरस्कार भी प्राप्त किए। संस्थान के कर्मचारियों ने स्वच्छ भारत अभियान की गतिविधियों में सक्रिय और नियमित रूप से भाग लिया।

आर. एन. चटर्जी

**(आर.एन. चटर्जी, निदेशक)**

## विषय वस्तु

निदेशक स्तंभ
अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
आयोजित प्रशिक्षण
आयोजित बैठकें
मानव संसाधन विकास
पुरस्कार / पहचान
विशिष्ट अतिथिगण
व्यक्तिगत

## गर्मी के तनाव में रहे ब्रायलर एवं वानरजा कुक्कुटों में नैनो जिंक ने तनाव बलाघात परिवर्तन पर प्रभाव दिखाया

कुक्कुटों में गर्मी के तनाव के बुरे प्रभाव को कम से कम करने के लिए जिंक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुक्कुट में अकार्बनिक लवण की तुलना में धातुओं का खनिज रूप अधिक मात्रा में पाया गया। कुल 450 नर ब्रायलर चूजों के साथ एक प्रयोग किया गया, जो 9 प्रतिकृति वाले नौ उपचार समूहों में प्रत्येक में 5 के अनुसार आबंटित किए गए। अकार्बनिक Zn (ZnO) 80 मिलीग्राम / किग्रा आहार में पूरक के रूप में दिया गया जिसे नियंत्रण आहार माना जाता है। नैनो Zn (nZn) से विभिन्न सांद्रताओं का उपयोग करके आठ प्रायोगिक आहार Zn (7.5, 10, 15, 20, 30, 40, 60 और 80 मिलीग्राम / किग्रा) तैयार किए गए। गर्मियों के आरंभिक दिनों (फरवरी और मार्च) के दौरान जहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान और आर्द्रता क्रमशः 35.13 से 26.48 $^{0}$C एवं 52.87 से 29.87% के बीच रहती है तब यह प्रयोग आयोजित किया गया।

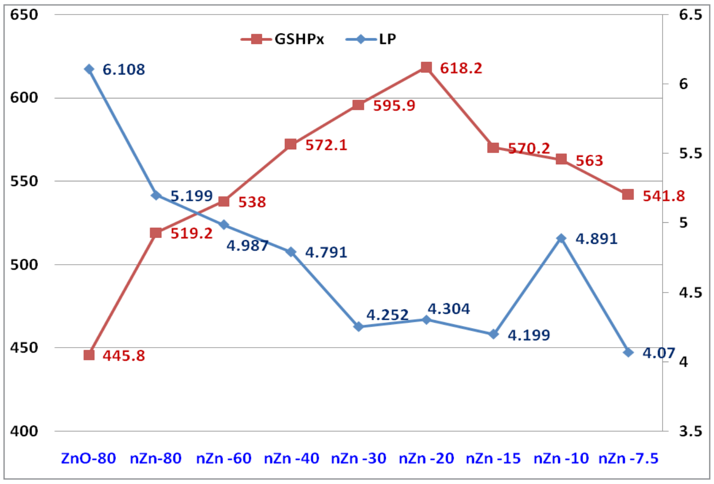


*चित्र 1: ग्लूटाथियोन पर नैनो जिंक (nZn) के वर्गीकृत आहार सांद्रता का प्रभाव ब्रोयलर दाना में पेरोक्सीडेज (जीएसएचपीएक्स) एवं लिपिड पेरॉक्सिडेशन (एलपी)*

वाणिज्यिक ब्रॉइलरों को अकार्बनिक Zn (ZnO) के स्थान पर (80 mg / kg आहार) अल्प सांद्रता nZn (7.5 मिलीग्राम / किग्रा आहार) खिलाने से केवल एफसीआर 21 दिन को छोड़कर इसके प्रदर्शन पर कोई प्रभाव नहीं हुआ। ब्रॉयलरों में दाना दक्षता ZnO आधारित आहार तथा nZn के अन्य उच्च सांद्रता के आहार से nZn (7.5 मिलीग्राम / किग्रा) खिलाने पर आशाजनक अधिक रहा, हालांकि सीएमआई प्रतिक्रिया प्रभावित नहीं हुई, लेकिन न्यूकैसल बीमारी वैक्सीन के विरुद्ध एंटीबॉडी टाइटर ने आहार में nZn की एकाग्रता की कमी में सुधार किया। nZn सांद्रण आहार खिलाए गए ब्रायलरों में प्लीहा एवं यकृत में लिपिड पेरोक्सीडेशन की कमी हुई। इसी तरह, nZn के विभिन्न सांद्रता के आहार खिलाए गए ब्रायलर कुक्कुटों में लीवर एवं प्लीहा में GSHPx की गतिविधि और तिल्ली में SOD की गतिविधि में सुधार हुआ। सामान्यत: ब्रॉयलर को कम सांद्रता वाले nZn (7.5 से 20 मिलीग्राम / किग्रा)) आहार खिलाने पर एंटी-ऑक्सीडेंट की उच्च गतिविधियां एंजाइम पाया गया। अध्ययन के परिणाम यह संकेत देते हैं कि, सिफारिश किए गए Zn की अनुशंसित एकाग्रता की तुलना में nZn के कम सांद्रता के अकार्बनिक आहार खिलाने से ब्रायलर कुक्कुटों में तनाव को कम करने की क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

एक अलग आहार खिलाए गए प्रयोग में, गर्मियों के मौसम के दौरान *वनराजा* चूजों पर Zn के पूरक स्रोतों के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया। बेसल आहार में जिंक ऑक्साइड (ZnO), जिंक पेप्टाइड (oZn) और अनुपूरक Zn (40mg / kg), नैनो जिंक (nZn) को जोड़ा गया, जबकि एक और बेसल आहार में नियंत्रण के रूप में बिना पूरक Zn का उपयोग किया गया। कुल 240 एक दिन की आयु के *वनराजा* चूज़ों की 48 प्रतिकृतियों में प्रत्येक में 5 पक्षियों के अनुसार वितरित किया गया। प्रत्येक आहार को एक दिन की आयु से 42 दिन की आयु तक 12 पेन्स में आबंटित किया गया। अधिकतम और न्यूनतम परिवेश तापमान एवं आर्द्रता क्रमशः 38.38 से 28.15 0C, तथा 52.5 से 18.2% रहा। नियंत्रण की तुलना में वानराजा चूज़ों में अनुपूरक Zn के विभिन्न रूपों को खिलाने से शरीर का वजन एवं दाना दक्षता में काफी सुधार देखा गया। परीक्षण किए गए Zn स्रोतों के बीच प्रदर्शन में महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। इम्यून प्रतिक्रियाएँ (HI और CMI से PHA-P) प्रभावित नहीं हुईं। Zn पूरक दाना दिए गए समूहों के तिल्ली में लिपिड पेरोक्सिडेशन की काफी कमी हुई साथ ही यह क्रम oZn और ZnO (अकार्बनिक) में रहा। इसी तरह Zn अनुपूरक खिलाए गए कुक्कुटों में GSHRx की गतिविधि में सुधार हुआ। Zn स्रोतों के बीच, nZn को खिलाया गया कुक्कुटों में एंजाइम गतिविधि सबसे अधिक थी। प्रयोगों के परिणाम यह संकेत देते हैं कि, *वनराजा* कुक्कुट में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने हेतु Zn का नैनो रूप बेहतर रहा, इसके बाद यह जैविक एवं अजैविक रूप में देखा गया।

*एस.वी. रामा राव एवं सह कार्मिक*

## देशज कुक्कुट जननद्रव्य का संरक्षण एवं सुधार

यह निदेशालय भारत के महत्वपूर्ण स्वदेशी कुक्कुट नस्लों जैसे असील, घाघस, कड़कनाथ एवं निकोबारी नस्लों का संरक्षण एवं लक्षण-वणर्न कर रहा है। इस कार्यक्रम के तहत, असील नस्ल को पीडी-4 लाइन से विकसित कर इसमें पिछले 10 पीढ़ियों के दौरान चयनात्मक प्रजनन के माध्यम से 8 सप्ताह की आयु में शरीर के वजन एवं 40 सप्ताह तक अंडे का उत्पादन हेतु सुधार किया जा रहा है। इस जननद्रव्य में विकास एवं उत्पादन में महत्वपूर्ण सुधार हुआ। पीडी-4 के नर कुक्कुटों ने 8, 16 एवं 20 सप्ताह की आयु में क्रमशः 603, 1612 और 2020 ग्राम शरीर का वजन प्राप्त किए जबकि, मादा कुक्कुटों ने इसी आयु के दौरान क्रमशः 536, 1267 एवं 1548 ग्राम शरीर का वजन प्राप्त किए।

*वनश्री कुक्कुटों के नर एवं मादा (पीडी-4)*

20 सप्ताह की आयु में नर और मादा कुक्कुटों में टांगों की लंबाई क्रमशः 130.7 और 105.9 मिमी दर्ज की गई। नर और मादा कुक्कुटों में 40 सप्ताह की आयु में शरीर का वजन क्रमशः 2956 और 2071 ग्राम रहा। एस-9 पीढ़ी के दौरान 40

सप्ताह की आयु तक पिंजडे में रखे कुक्कुटों एवं प्रति दिन का औसत अंडा उत्पादन क्रमशः73.74 और 74.52 अंडे रहा एवं वज़न 48.8 ग्राम रहा। 21-40 सप्ताह की आयु के दौरान नर और मादा कुक्कुटों की जीवंतता क्रमशः92.22 और 92.89% देखी गयी। खुले घर आंगन में पालन हेतु एक दिन की आयु के पीडी-4 चूज़ों एवं उपजाऊ अंडे किसानों को आपूर्ति किए गए।

*संतोष हंषी एवं सह कार्मिक*

## स्थानीय कुक्कुट नस्लों एवं खुले घर आंगन कुक्कुट किस्मों में पास्टेरेल्ला मल्टोसिडा प्रयोगात्मक संक्रमण पर सहिष्णुता

दो विभिन्न प्रायोगों में देशी कुक्कुट नस्लें असील, घाघस, निकोबारी एवं एक विकसित कुक्कुट किस्म, *वनराजा* में सुधार, फाउल-कोलोरा के प्रति सहिष्णुता के प्रयोगों का मूल्यांकन किया गया। कुक्कुटों को 16 सप्ताह की आयु में इंट्रानैसल मार्ग एवं इंट्रा-पेरिटोनियल मार्ग द्वारा 1.9 x $10^5$ सीएफ्यू/एमएल टीका लगाया गया। लक्षण, मृत्यु दर और मृत पक्षियों में घाव देखे गए; विभिन्न समूहों के जीवित कुक्कुटों से 5, 14, 21, 28, 35 एवं 42 वें दिन सीरम एकत्र किया गया एवं अप्रत्यक्ष एलिसा द्वारा विशिष्ट एंटीबॉडी टाइट्रे को मापा गया। प्रयोगात्मक पास्टेरेल्ल मल्टीकोसिडा (पीएम) संक्रमण हेतु भारतीय मूल असील, घागस, निकोबारी एवं खुले घर आंगन में पालन के *वनराजा* कुक्कुट नस्लों में विभिन्न प्रकार के प्रतिक्रियाएं देखी गई। अंतर-पेरिटोनियल एवं इंट्रानासाल मार्गों द्वारा घागस एवं निकोबारी की तुलना में असील नस्ल में बीमारी की रुग्णता, मृत्यु दर, मृत्यु का समय एवं उत्तरजीविता उल्लेखनीय एवं उच्च सहिष्णू पाए गए। *वनराजा* एवं घागस कुक्कुटों की तुलना में असील नस्ल में पीएम विशिष्ट एंटीबॉडी का आशाजनक उच्च स्तर देखा गया।

*टी.आर. कन्नकी एवं संतोष हंषी*

## ब्रायलर उत्पादन में एंटीबायोटिक विकास प्रमोटरों के विकल्प के रूप में औषधीय पौधे

ब्रायलर उत्पादन में एजीपी के विकल्प के रूप में उनके उपयोग हेतु दो फाइटोजेनिक फीड एडिटिव्स (पीएफए) तैयार किए गए । दो PFAs के साथ कृषिब्रो (बहुरंगी ब्रायलर) में इनविवो परीक्षण किया गया था जिस में आंत स्वास्थ्य एवं एफसीआर में कमी दर्ज की गयी, परिणामस्वरूप चूज़ों में बेहतर नैदानिक एवं उत्पादन प्रदर्शन देखी गयी।

*डी. सुचित्रा सेना*

## खाद के माध्यम से संधारणीय कुक्कुट अपशिष्ट प्रबंधन

कुक्कुट उत्पादन में इसके अपशिष्ट को निपटाना प्रमुख चुनौतियों में से एक है । हालांकि, इस कुक्कुट अपशिष्ट को जैविक अपशिष्ट के साथ सम्मिश्रित कर खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है। जैविक अपशिष्ट से खाद बनाने हेतु निदेशालय परिसर में जहां प्राकृतिक रूप से उपलब्ध विभिन्न कार्बनिक पदार्थों के साथ खाद तैयार करने की दिशा में अनुसंधान कार्य चल रहे हैं।

*आर.के. महापात्रा एवं सह कार्मिक*

# प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

## जनजातीय उप-योजना के तहत आकांक्षात्मक जिलों के आदिवासी गांवों में बेहतर कुक्कुट किस्मों का परिचय कार्यक्रम

भाकृअनुप–डीपीआर ने जनजातीय उप-योजना के तहत तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में आदिवासी किसानों की आय और जीवन स्तर बेहतर बनाने के उद्देश्य से *वनराजा* एवं *ग्रामप्रिया* जैसी विकसित कुक्कुट किस्मों का यहां परिचय कराया ।

### प्रधान एकक, आईटीडीए, उत्नूर

*टीएसपी के तहत निविष्टि वितरण कार्यक्रम*

नर्सरी चरण के दौरान चूजों को विकसित करने के लिए आईटीडीए, उत्नूर, अदिलाबाद में एक मदर यूनिट की सुविधा स्थापित की गई । 7 फरवरी, 2019 को केशलापुर में नागोबा जातरा के दौरान श्री जी. नागेश, सांसद एवं श्री कोनेरू कोनप्पा, विधायक के द्वारा 170 आदिवासी किसानों को कुल 2800 वयस्क कुक्कुट वितरित किए गए। इस अवसर पर जिला कलेक्टर, आईटीडीए परियोजना अधिकारी एवं निदेशक, भाकृअनुप-डीपीआर और कई अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

### निविष्टि वितरण कार्यक्रम

29 मई, 2019 को इंद्रेली, आदिलाबाद जिले में निविष्टि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डोडांडा, वडगाँव, सकरी, इंदरवेल्ली, देहगाँव, गट्टेपल्ली, उत्नूर, वल्वाडी, थुम्मगुडा, कोयलपंडरी, मुथनूर, मनकुगुड़ा, जथारला, कोलामगुडा धारथंपल्ली और मेदगुडा गांवों के कुल 42 आदिवासी किसान लाभान्वित हुए। इनमें से अधिकांश महिला किसान ही थीं और वे 1-2 मार्च, 2019 के दौरान ही भाकृअनुप-डीपीआर, हैदराबाद में "घर आंगन कुक्कुट पालन" का प्रशिक्षण ले चुकी थीं। जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) के तहत भारत सरकार की पहल पर भाकृअनुप द्वारा एक आकांक्षापूर्ण जिला कार्यक्रम के तहत इसे आयोजित किया गया। वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के दल ने आदिवासी लाभार्थियों के साथ बातचीत की। आदिवासी किसानों को वनराज कुक्कुटों के साथ घर आंगन कुक्कुट पालन के संभावित लाभ समझाए गए। कुल 42 लाभार्थियों में प्रत्येक को 10 वनरजा कुक्कुट (6 सप्ताह की आयु), 20 किलोग्राम दाना, एक फीडर तथा एक जल पात्र प्रदान किया गया। हितग्राहियों को दिए गए कुक्कुटों के उचित सुरक्षा के लिए सुरक्षित बसेरा, रात का अस्थायी रैन बसेरा उपलब्ध कराया गया।

*टीएसपी के तहत निविष्टि वितरण कार्यक्रम*

कोलमगुड़ा और थाटीगुड़ा गाँव, (आदिलाबाद जिला) जिसमें 22 जून, 2019 को जनजातीय उप-योजना के तहत इनपुट वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 13 आदिवासी किसान लाभान्वित हुए। निदेशालय के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने आदिवासी लाभार्थियों के साथ बातचीत की और उनको घर आंगन उन्नत कुक्कुट किस्मों के पालन एवं उनके लाभों से अवगत कराया। आदिवासी लाभार्थियों को *ग्रामप्रिया* कुक्कुट के लगभग 190 कुक्कुट एवं दाना और दवाई का किट प्रदान किया। पक्षियों के रात्री की उचित सुरक्षा के लिए लाभार्थियों को अस्थायी रैन-बसेरे प्रदान किए गए। विशेषज्ञ दल ने थाटीगुड़ा गांव के आदिवासी किसानों के साथ भी बातचीत की, जिन्हें पहले इस निदेशालय में "घर आंगन कुक्कुट पालन" पर प्रशिक्षण दिया गया था। लगभग 17 किसानों ने एक किसान उत्पादक समूह बनाया और *वनराजा* कुक्कुट पालन आरंभ किया । विशेषज्ञ दल ने कुक्कुटों के प्रदर्शन की निगरानी की और इनके वैज्ञानिक पालन के लिए उपयुक्त सुझाव दिए।

### डीपीआर द्वारा तेलंगाना में जनजातीय उप योजना के तहत कार्य की पहल

अनुसूचित जाति उप-योजना (SCSP) के तहत भाकृअनुप-डीपीआर ने शमशाबाद मंडल, रंगा रेड्डी जिला के गूडूरू ग्राम के किसानों के लिए कुक्कुट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। 13 मार्च, 2019 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 किसानों ने भाग लिया। इसमें किसानों को कुक्कुट पालन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया ।

### भाकृअनुप – डीपीआर द्वारा प्रदर्शनियों में भागीदारी

**1) महा पशुधन एक्सपो 2019, जालना**

भाकृअनुप-डीपीआर ने 2-4 फरवरी, 2019 के दौरान जालना, महाराष्ट्र में आयोजित महापशुधन एक्सपो-2019 में भाग लिया, इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में लगभग 4500-5000 किसानों ने निदेशालय के स्टाल का दौरा किया। विकसित कुक्कुट नस्लों पर मुद्रित सामग्री किसानों को वितरित की गयी। प्रदर्शनी में रखी गयी विभिन्न कुक्कुट नस्लों (असील, कड़कनाथ, *वनराजा* और *ग्रामप्रिया*) ने किसानों एवं आगंतुकों को आकर्षित किया।

**2) कृषि विज्ञान कांग्रेस एक्सपो 2019, नई दिल्ली**

भाकृअनुप - डीपीआर ने 20-24 फरवरी, 2019 के दौरान भाकृअनुप – आईएआरआई, नई दिल्ली में आयोजित कृषि विज्ञान कांग्रेस एक्सपो 2019 में भाग लिया। सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (भाकृअनुप) एवं उप महानिदेशक (एएस एवं एफएस) के साथ अन्य कई गणमान्य लोगों ने निदेशालय के स्टॉल का दौरा किया एवं विकसित प्रौद्योगिकियों की सराहना की। 4 दिनों के दौरान लगभग 3000-3500 किसानों ने प्रदर्शनी में स्टॉल का दौरा किया।

**3) पीजेटीएसएयू, हैदराबाद में दक्षिण क्षेत्रीय कृषि मेला**

भाकृअनुप-डीपीआर ने 24 मई 2019 के दौरान पीजेटीएसएयू, हैदराबाद में आयोजित दक्षिण क्षेत्रीय कृषि मेले में भाग लिया। लगभग 400 किसान एवं अन्य हितधारकों ने डीपीआर के स्टॉल का दौरा किया एवं निदेशालय द्वारा विकसित कुक्कुट पालन के अन्य प्रौद्योगिकियों के संबंध में वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की।

## आयोजित प्रशिक्षण / कौशलता विकास

### पशु चिकित्सा अधिकारियों हेतु घर आंगन कुक्कुट प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

19 से 23 फरवरी, 2019 तक " घर आंगन कुक्कुट प्रबंधन " विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे इस निदेशालय एवं मैनेज, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में, मणिपूर, केरल, हिमाचल प्रदेश जम्मू-कश्मीर, बिहार और तेलंगाना राज्य के पशुपालन विभाग के 13 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया जबकि भाकृअनुप-डीपीआर से एक प्रशिक्षु ने इसमें भाग लिया।

घर आंगन कुक्कुट प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियों के साथ *निदेशक एवं वैज्ञानिक*

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य घर आंगन में कुक्कुट उत्पादन प्रबंधन प्रणाली एवं इसके वर्तमान के घटनाक्रम का अध्ययन करना था। प्रतिभागियों को घर आंगन कुक्कुट पालन के विभिन्न पहलुओं जैसे - प्रजनन, पोषण, प्रबंधन, स्वास्थ्य, फार्म एवं हैचरी संचालन आदि से अवगत कराया गया । निदेशक, भाकृअनुप - डीपीआर एवं मैनेज के प्रतिनिधियों ने आरंभिक एवं समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षु प्रतिभागियों के साथ बातचीत की एवं उनसे प्रशिक्षण से संबंधित प्रतिक्रिया प्राप्त की ।

### आदिवासी किसानों हेतु घर आंगन कुक्कुट प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

4-5 फरवरी, 2019 के दौरान भाकृअनुप - डीपीआर, हैदराबाद में आदिवासी किसानों को घर आंगन कुक्कुट प्रबंधन पर वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करने हेतु "घर आंगन कुक्कुट पालन" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आदिलाबाद जिला, तेलंगाना के विभिन्न प्रांतों के कुल 17 आदिवासी किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक, डीपीआर ने किसानों के साथ बातचीत की और किसानों की आय दुगनी करने की दिशा में निदेशालय द्वारा घर आंगन में कुक्कुट पालन हेतु विकसित सुधार किए गए कुक्कुट किस्मों पर प्रकाश डाला। आदिवासी किसानों को घर आंगन कुक्कुट पालन के नर्सरी प्रबंधन, फार्म प्रबंधन, पठोरों एवं ब्रीडरों के प्रबंधन पर सीधा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षु किसान वर्ग ने राजेंद्रनगर के पशु चिकित्सा विद्यालय के कुक्कुट फार्म एवं डेयरी फार्म का दौरा भी किया।

घर-आंगन कुक्कुट प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी किसान

1-2 मार्च, 2019 को भाकृअनुप-डीपीआर, हैदराबाद में आदिवासी किसानों के लिए इसी तरह का एक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

घर आंगन कुक्कुट प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी किसान

तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के उत्नूर प्रांत के कुल 23 आदिवासी किसानों (20 महिलाएं और 3 पुरुष किसानों ) इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक, डीपीआर ने किसानों के साथ बातचीत की। आदिवासी किसानों ने 1 मार्च 2019 को संस्थान स्थापना दिवस कार्यक्रम में भी भाग लिया तथा मुख्य अतिथि महोदय डॉ. अशोक कुमार, एडीजी, (एएच), भाकृअनुप के साथ बातचीत की ।

### कुक्कुट किसानों को प्रशिक्षण कार्यक्रम

15-17 मई, 2019 के दौरान भाकृअनुप-डीपीआर ने "वैज्ञानिक कुक्कुट पालन" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया । तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरप्रदेश के कुल 13 कुक्कुट उद्यमी किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रशिक्षुओं को कुक्कुट उत्पादन के विभिन्न पहलुओं जैसे - पोषण, प्रबंधन और स्वास्थ्य देखभाल से अवगत कराया गया । प्रशिक्षण मॉड्यूल व्यावहारिक प्रदर्शनों और फार्म एवं हैचरी संचालन के सीधे अनुभवों के साथ जुड़ा हुआ था।

### जनवरी से जून 2019 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

| क्रम सं | कार्यक्रम | प्रतिभागी (सं) | समय | तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | वैज्ञानिक कुक्कुट पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | किसान (8) | 3 दिवसीय | 22-24 जनवरी 2019 |
| 2 | टीएसपी के अंतर्गत घर आंगन कुक्कुट पालन पर आदिवासी किसानों को प्रशिक्षण | अदिलाबाद जिला के आदिवासी किसान (17) | 2 दिवसीय | 4-5 फरवरी 2019 |
| 3 | घर आंगन कुक्कुट पालन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | पशु चिकित्सा अधिकारी (13) | 5 दिवसीय | 19-23 फरवरी 2019 |
| 4 | टीएसपी के अंतर्गत घर आंगन कुक्कुट पालन पर आदिवासी किसानों को प्रशिक्षण | अदिलाबाद जिला के आदिवासी किसान (23) | 2 दिवसीय | 1-2 मार्च 2019 |
| 5 | जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत रंगारेड्डी जिला के जनजातीय किसानों हेतु घर आंगन कुक्कुट पालन पर प्रशिक्षण | रंगारेड्डी जिला के गूडूरू ग्राम के किसान (30) | 1 दिवसीय | 13 मार्च 2019 |
| 6 | वैज्ञानिक कुक्कुट पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | किसान (13) | 3 दिवसीय | 15-17 मई 2019 |
| 7 | स्थापित उद्यमियों हेतु आधुनिक कुक्कुट प्रबंधन ( मैनेज के सहयोग से ) | विभिन्न राज्यों के स्थापित उद्यमी (15) किसान (4) | 4 दिवसीय | 25-28 जून 2019 |

### भाकृअनुप - डीपीआर, हैदराबाद का भ्रमण

1. 31 जनवरी, 2019 को तमिलनाडु राज्य के पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सा अधिकारियों ने निदेशालय का भ्रमण किया। यह 28 जनवरी से 03 फरवरी, 2019 के दौरान मैनेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित पशुधन क्षेत्र में नव प्रगति पर एक पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत था।

2. 2 मार्च, 2019 को एफ्रो-एशियाई एवं लैटिन अमेरिकी देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कुक्कुट पालन की जटिलताओं को समझने हेतु भाकृअनुप -डीपीआर का दौरा किया। उन्होंने कुक्कुट पालन की दिशा में वैज्ञानिकों से बातचीत की एवं घर-आंगन में पालन हेतु विकसित कुक्कुट किस्मों के विकास की दिशा में संस्थान के प्रयासों की प्रशंसा की।

## बैठकें आयोजित

### अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक

24-25 अप्रैल, 2019 को प्रोफेसर बी.बी मल्लिक, संस्थापक कुलपति, डब्लूबीयूएएफएस, कोलकाता एवं पूर्व निदेशक, आईवीआरआई, इज्जतनगर की अध्यक्षता में भाकृअनुप-डीपीआर की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में डॉ. अर्जव शर्मा, पूर्व निदेशक, एनबीएजीआर, करनाल; डॉ. के.टी. संपत, पूर्व निदेशक, एनआईएएनपी, बैंगलोर; डॉ. जे.आर. राव, सेवानिवृत्त एचओडी, आईवीआरआई, इज्जतनगर; डॉ. आर.एस. गांधी, एडीजी (एपी एंड बी), भाकृअनुप एवं डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक, भाकृअनुप-डीपीआर, ने भाग लिया। डॉ. एम.वी.एल.एन. राजू, प्रधान वैज्ञानिक इस बैठक के सदस्य सचिव

रहे। समिति ने संस्थान की विभिन्न इकाइयों जैसे- हैचरी, फार्म और प्रयोगशालाओं का दौरा किया साथ ही संस्थान की संपूर्ण उपलब्ध संरचना का अवलोकन किया। डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक ने संस्थान की गत एक वर्ष की अवधि के उपलब्धियां, समस्त गतिविधियों एवं सामर्थ्य का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। कार्यरत विभिन्न परियोजनाओं पर पिछली आरएसी की बैठक में की गयी सिफारिशों एवं अनुसंधान प्रगति की समीक्षा की गई। सिफारिशों को अंतिम रूप देने के साथ बैठक संपन्न हुई।

*आरएसी बैठक का आयोजन*

*आरएसी दल का फार्म दौरा*

## संस्थान अनुसंधान समिति की बैठक (आईआरसी)

डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक की अध्यक्षता में 2 मई, 2019 को वर्ष 2018-19 की वार्षिक आईआरसी बैठक आयोजित की गई। डॉ. विनीत भसीन, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप मुख्यालय, नई दिल्ली ने बाहरी विशेषज्ञ के रूप में बैठक में भाग लिया। इसमें सभी अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया एवं अध्यक्ष, आईआरसी ने वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान प्रगति पर संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि किसान अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास की दिशा में नवीन अनुसंधान कार्यों पर जोर दिया जाए। डॉ. भसीन ने सभी परियोजनाओं की प्रगति पर किए गए विचार-विमर्श में गहरी रुचि दिखाई एवं इस पर अपनी राय प्रस्तुत की। उन्होंने किसानों की आवश्यकताओं पर भी प्रकाश डालते हुए वैज्ञानिकों को यह सलाह दी कि, देश की पोषण सुरक्षा की दिशा में सीधे जुड़े हुए किसान भाइयों की भलाई हेतु कड़ी मेहनत से काम किया जाए।

*वार्षिक आईआरसी बैठक का आयोजन*

## आईएईसी बैठक

2 मार्च, 2019 को भाकृअनुप-डीपीआर, हैदराबाद में संस्थागत पशु आचार संहिता समिति की XXIII वीं बैठक आयोजित की गई, जिसमें पशुओं पर प्रयोगों की समीक्षा की गयी एवं इसे अनुमोदित किया गया।

## संस्थान संयुक्त कर्मचारी परिषद (आईजेएससी) बैठक

निदेशालय में 29 मार्च, 2019 एवं 18 जून, 2019 को संस्थान की 10 वीं **आईजेएससी** की 6 वीं और 7 वीं बैठक आयोजित की गयी ।

## संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक

निदेशालय में 6 मार्च, 2019 एवं 30 अप्रैल, 2019 को संस्थान प्रबंधन समिति की 38 वीं तथा 39 वीं बैठक आयोजित की गयी।

# अन्य गतिविधियां

## एकेएमयू

भारत में ई-कृषि की मदद के लिए KISAAN (कृषि ऐप नेविगेशन के लिए कृषि एकीकृत समाधान) मोबाइल ऐप की परिकल्पना की गई। इसे भारत में फोन आधारित कृषि हेतु भाकृअनुप–डीकेएमए द्वारा विकसित किया गया है। यह KISAAN ऐप भाकृअनुप द्वारा विकसित 100 से अधिक कृषि किसान एपों को एक मोबाइल फोन में एकीकृत करता है तथा जिसे एंड्रॉइड स्मार्ट फोन के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। भाकृअनुप-डीपीआर को इस KISAAN मोबाइल ऐप में सम्मिलित किया गया।

डीपीआर पर तेलुगु, हिंदी एवं अंग्रेजी भाषाओं में तैयार की गयी एक प्रोफाइल फिल्म "डीपीआर मार्चिंग एहेड" यूट्यूब पर उपलब्ध है। जिसका लिंक है -:https://www.youtube.com/channel/UCDL2gnmjtzabrxX39w aOITA

## डीपीआर फिल्म का QR कोड

## स्वच्छ भारत गतिविधियां

स्वच्छ भारत अभियान के तहत निदेशालय ने संस्थान परिसर के भीतर एवं बाहर सप्ताह में एक बार सफाई गतिविधियों का संचालन किया । संस्थान के प्रशासनिक अनुभाग एवं पुस्तकालय में पुरानी फाइलों की छंटनी की गयी।

## मन की बात एवं प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

"मन की बात" वेबकास्ट और "प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि का उद्घाटन कार्यक्रम" को संस्थान के कर्मचारियों में प्रदर्शित किया गया, जिसमें किसानों एवं आगंतुकों ने भाग लिया।

*मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण*

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भाकृअनुप-डीपीआर ने 28 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक ने कुक्कुट प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा आमंत्रित अतिथि वक्ताओं एवं विभिन्न विद्यालयों से पधारे विद्यार्थियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों को वैज्ञानिक कुक्कुट पालन के बारे में समझाया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर मॉडल प्रदर्शित किए जैसे -जलवायु परिवर्तन, स्वच्छता आदि तथा संस्थान के अनुसंधान गतिविधियों पर भी पोस्टर प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर अतिथि वक्ताओं ने "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं आईओटी एवं कुक्कुट पालन में उनके अनुप्रयोग" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किए । वैज्ञानिक मॉडल प्रदर्शित करने के लिए विद्यार्थियों को निदेशक द्वारा पुरस्कार एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

*राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम*

*प्रदर्शनी में भाग लेते हुए विद्यार्थी*

## संस्थान स्थापना दिवस

भाकृअनुप-डीपीआर ने 1 मार्च, 2019 को अपना 32 वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ. अशोक कुमार, एडीजी (पशु स्वास्थ्य), भाकृअनुप, नई दिल्ली इस अवसर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संस्थान की कुक्कुट प्रदर्शनी एवं प्रयोगशालाओं का दौरा किया। डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक भाकृअनुप-डीपीआर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर हैदराबाद स्थित विभिन्न भाकृअनुप के संस्थानों के निदेशक, आदिवासी किसान एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि महोदय डॉ. अशोक कुमार ने संस्थान के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कुक्कुट पालन अनुसंधान के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों को इस अवसर पर आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक मॉडल प्रदर्शित किए। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारियों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी।

*डॉ. अशोक कुमार, एडीजी (पशु स्वास्थ्य) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित*

## राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह का आयोजन

*राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह का आयोजन*

भाकृअनुप-डीपीआर ने 12-18 फरवरी 2019 के दौरान निदेशालय के कर्मचारियों हेतु उत्पादकता चेतना उत्पन्न करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह का आयोजन किया, डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और "उत्पादकता के लिए परिपत्र अर्थव्यवस्था एवं संधारणीयता" विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ.के. अलवाल रेड्डी, एमडी, वेंकटेश्वर हैचरी एवं श्री श्रवण गट्टू, वरिष्ठ अभियंता, वेवेन फर्म्स प्रा. लि., हैदराबाद ने" कुक्कुट उत्पादन के व्यावहारिक पहलू एवं कुक्कुट अपशिष्ट का उपयोग " विषय पर प्रकाश डाला, साथ ही इस दौरान आयोजित सप्ताह के कार्यक्रमों में कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी और नारा लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

भाकृअनुप-डीपीआर ने 8 मार्च, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। संस्थान के निदेशक ने बैठक की अध्यक्षता की एवं कामकाजी महिलाओं की विभिन्न जिम्मेदारियों पर बात की। महिला कर्मचारियों के कल्याण, शिकायतों आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गयी तथा कर्मचारियों ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान के बारे में ध्यानाकर्षित कराया ।

*महिला कर्मचारियों के साथ निदेशक*

## बौद्धिक संपदा अधिकारों पर कार्यशाला

आईटीएमयू, भाकृअनुप-डीपीआर ने भाकृअनुप दिशानिर्देशों से 18 फरवरी, 2019 को "आईपीआर प्रबंधन प्रतिरूप '' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया । निदेशक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य आईपी प्रबंधन को प्रभावी बनाते हुए बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था । कार्यक्रम में डॉ. इलांगोवन, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी आईटीएमयू, भाक्अनुप-आईआईएमआर, हैदराबाद एवं डॉ. पूर्णिमा चंद्रन, प्रोमेथियस पेटेंट सर्विसेज, हैदराबाद द्वारा दो अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

*आईपीआर कार्यशाला का आयोजन*

## अनुदत्त पेटेंट

निदेशालय को मार्च, 2019 में भारतीय पेटेंट कार्यालय, चेन्नई द्वारा पहला पेटेंट प्रदान किया गया।

**पेटेंट का शीर्ष**: विभिन्न पक्षी जातियों के चूज़ों एवं वयस्कों में लिंग निर्धारण की पहचान हेतु एक डायग्नोस्टिक किट, का आविष्कार।

**पेटेंट सं.**: 309612

**आविष्कारक**: डॉ. टी.के. भट्टाचार्य

# मानव संसाधन विकास

## भाकृअनुप-डीपीआर के कर्मचारियों द्वारा भाग लिए प्रशिक्षण/सम्मेलन

| क्रम. सं. | प्रशिक्षण/ सम्मेलन का नाम | उपस्थित कर्मचारी का नाम व पद्नाम | समय | स्थान |
|---|---|---|---|---|
| 1 | यूके एवं अंतर्राष्ट्रीय पशु चिकित्सा वैक्सीन नेटवर्क (IVVN) सम्मेलन | डॉ. टी.आर. कन्की, वरिष्ठ वैज्ञानिक | 9-10 जनवरी, 2019 | लंडन, यूके |
| 2 | "खाद्य और सामाजिक सुरक्षा एवं पशु आनुवांशिक संसाधन" विषय पर घरेलू पशु विविधता (एसओसीडीएबी) के संरक्षण सोसाइटी द्वारा आयोजित XVI वां वार्षिक सम्मेलन व राष्ट्रीय संगोष्ठी | डॉ. एल.एल.एल. प्रिंस, प्रधान वैज्ञानिक<br>डॉ. एम. षण्मुगम, वरिष्ठ वैज्ञानिक | 7-8 फरवरी, 2019 | भाकृअनुप-एनबीएजीआर, करनाल |
| 3 | XIV वां कृषि विज्ञान कांग्रेस | डॉ. आर.एन. चटर्जी, निदेशक<br>डॉ. टी.के. भट्टाचार्य, राष्ट्रीय अध्येता<br>डॉ. आर.के. महापात्रा, प्रधान वैज्ञानिक<br>डॉ. चंदन पासवान , वरिष्ठ वैज्ञानिक | 20-23 फरवरी, 2019 | भाकृअनुप-आईएआरआई, नई दिल्ली |
| 4 | एआईसीआरपी के तहत नॉलेज मैनेजमेंट (कृषि पोर्टल) के लिए भाकृअनुप अनुसंधान डेटा रिपॉजिटरी (कुक्कुट प्रजनन पर एआईसीआरपी) हेतु इकाई स्तर डेटा रिपॉजिटरी प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला | डॉ. संतोष हंषी, प्रधान वैज्ञानिक | 25 फरवरी, 2019 | भाकृअनुप-आईएएसआरआई, नई दिल्ली |
| 5 | यूके एवं भारत में कुक्कुटों के विभिन्न संक्रामक ब्रोंकाइटिस वायरस के उद्भव को समझना: साझा नियंत्रण रणनीतियों पर कार्यशाला | डॉ. टी.आर. कन्की, वरिष्ठ वैज्ञानिक | 1-2 मई, 2019 | यूनिवर्सिटी ऑफ लीवरपूल, लीवरपूल, यूके |
| 6 | नेतृत्व विकास पर एमडीपी (एक पूर्व आरएमपी) | डॉ. सुचित्रा सेना, प्रधान वैज्ञानिक | 11-22 जून, 2019 | भाकृअनुप-नार्म, हैदराबाद |
| 7 | आतिथ्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण | डॉ. बी. प्रकाश, वरिष्ठ वैज्ञानिक | 26 जून – 02 जुलाई, 2019 | भाकृअनुप-नार्म, हैदराबाद |

## विशिष्ट अतिथिगण

1. डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, अध्यक्ष, (अतिरिक्त प्रभार), एवं सदस्य एएसआरबी, नई दिल्ली
2. डॉ. जे.के. जेना, डीडीजी (एएस एवं एफएस), भाकृअनुप, नई दिल्ली
3. डॉ. आर.एस. गांधी, एडीजी (एपी एवं बी), भाकृअनुप, नई दिल्ली
4. डॉ. अशोक कुमार, एडीजी (एएच) , भाकृअनुप, नई दिल्ली
5. डॉ. पंजाब सिंह, पूर्व महानिदेशक , भाकृअनुप, नई दिल्ली
6. डॉ. बी.बी. मल्लिक, पूर्व उप कुलपति, डब्लूबीयूएएफएस, कोलकाता
7. डॉ. वी. अय्यागारी, पूर्व निदेशक, पीडीपी
8. डॉ. आर.पी. शर्मा, पूर्व निदेशक, पीडीपी
9. डॉ. के.टी. संपत, पूर्व निदेशक, एनआईएएनपी, बेंगलूरू
10. डॉ. आर्जव शर्मा, पूर्व निदेशक, एनबीएजीआर, करनाल
11. डॉ. एस. वैथ्यानाधन, निदेशक (प्रभारी) भाकृअनुप-एनआरसी मीट, हैदराबाद

## पुरस्कार एवं पहचान

- डॉ. एल.एल.एल. प्रिंस, प्रधान वैज्ञानिक, ने 7 और 8 फरवरी, 2019 को भाकृअनुप-एनबीएजीआर, करनाल में "खाद्य और सामाजिक सुरक्षा एवं पशु आनुवांशिक संसाधन" विषय पर घरेलू पशु विविधता (एसओसीडीएबी) के संरक्षण सोसाइटी द्वारा आयोजित XVI वें वार्षिक सम्मेलन व राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार (तकनीकी सत्र-1 में दूसरा पुरस्कार) प्राप्त किया।
- डॉ. एम. षण्मुगम, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एवं सह-श्रमिकों ने 7 और 8 फरवरी, 2019 को भाकृअनुप-एनबीएजीआर, करनल में "खाद्य और सामाजिक सुरक्षा एवं पशु आनुवांशिक संसाधन" विषय पर घरेलू पशु विविधता (एसओसीडीएबी) के संरक्षण सोसाइटी द्वारा आयोजित XVI वें वार्षिक सम्मेलन व राष्ट्रीय संगोष्ठी में द्वितीय उत्तम मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. ए. कन्नन, प्रधान वैज्ञानिक को इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल रिसर्च के संपादक से "समीक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

## व्यक्तिगत

### नियुक्तियां

श्री पी. देमुडु नायुडु 11 जनवरी, 2019 को तकनीकी (टी. 1) के पद पर नियुक्त हुए।

श्री शिवम साचान 6 मई, 2019 को आशुलिपिक ग्रेड-3 के पद पर नियुक्त हुए।

### त्यागपत्र

श्री पी. देमुडु नायुडु 15 मार्च, 2019 को तकनीकी (टी. 1) के पद से त्यागपत्र दिया।


### संपादन समिति

**डॉ. संतोष हंषी,** प्रधान वैज्ञानिक, **डॉ. एम.वी.एल.एन. राजू,** प्रधान वैज्ञानिक
**डॉ. एम. षण्मुगम,** वरिष्ठ वैज्ञानिक, **डॉ. एस.पी. यादव,** प्रधान वैज्ञानिक


**सेवा में**


निदेशक द्वारा प्रकाशित

**भाकृअनुप - कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय**

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद – 500 050, तेलंगाना , भारत; दूरभाष: *040-24017000/ 24015651*, फैक्स : *040-24017002*

ईमेल: *pdpoult@ap.nic.in*, वेबवाईट: *www.pdonpoultry.org*

**ISO 9001 : 2015**